भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

03.12.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 503 का उत्तर

महाराष्ट्र के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना

503. श्रीमती सुप्रिया सुले:
श्री धैर्यशील राजसिंह मोहिते पाटील:
डॉ. अमोल रामसिंग कोल्हे:
प्रो. वर्षा एकनाथ गायकवाड़:
श्री संजय दिना पाटील:
श्री भास्कर मुरलीधर भगरे:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) अमृत भारत स्टेशन योजना के उद्देश्य और कार्यक्षेत्र क्या हैं और यह रेलवे द्वारा शुरू की गई अन्य स्टेशन पुनर्विकास पहलों से किस प्रकार अलग है;

(ख) अमृत भारत स्टेशन योजना तथा स्टेशन पुनर्विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत महाराष्ट्र में चिह्नित किए गए रेलवे स्टेशनों की कुल संख्या कितनी है तथा उक्त स्टेशनों के नाम क्या हैं;

(ग) उपरोक्त राज्य में उक्त स्टेशनों पर पुनर्विकास कार्य की वर्तमान स्थिति सहित परियोजना लागत, शामिल ठेकेदारों/अभिकरणों तथा पूरा होने की अनुमानित समय-सीमा का ब्यौरा क्या है;

(घ) उक्त योजनाओं के अंतर्गत प्रदान की जा रही यात्री सुविधाएं और अवसंरचना सुधार जैसे रूफ प्लाजा, प्रतीक्षालय, लिफ्ट, एस्केलेटर और डिजिटल डिस्प्ले का ब्यौरा क्या है;

(ङ) गत तीन वर्षों के दौरान उपरोक्त राज्य में उक्त परियोजनाओं हेतु आवंटित, जारी एवं उपयोग की गई कुल निधि का वर्ष-वार और स्टेशन-वार ब्यौरा क्या है; और

(च) क्या उपरोक्त राज्य में उक्त योजनाओं को कार्यान्वित करने में कोई विलंब, भूमि अधिग्रहण संबंधी मुद्दे, समन्वय संबंधी चुनौतियां रही हैं और यदि हां, तो उन्हें दूर करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं/किए जा रहे हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च): रेल मंत्रालय ने स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में स्टेशनों में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और इन्हें चरणबद्ध रूप में कार्यान्वित करना शामिल है। मास्टर प्लान में निम्नलिखित शामिल है:-

- स्टेशन तक पहुंच और परिचलन क्षेत्र में सुधार
- शहर के दोनों ओर स्टेशन का एकीकरण
- स्टेशन भवन में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, वाटर बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े पैदल पार पथ/एयर कॉन्कोर्स का प्रावधान
- लिफ्ट/एस्केलेटर/रैंप का प्रावधान

- **प्लेटफार्म की सतह में सुधार/प्रावधान और प्लेटफार्म पर कवर**
- **'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान**
- **पार्किंग क्षेत्र, मल्टीमॉडल एकीकरण**
- **दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं**
- **बेहतर यात्री सूचना प्रणाली**
- **प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि का प्रावधान**

इस योजना में स्थायी और पर्यावरण अनुकूल समाधान, आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध तरीके से तथा व्यवहार्यता के अनुसार गिट्टी रहित रेलपथ आदि का प्रावधान और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर का निर्माण भी शामिल है।

अभी तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास करने हेतु महाराष्ट्र राज्य में स्थित 132 स्टेशनों सहित 1337 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है। महाराष्ट्र राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित करने हेतु चिह्नित स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
महाराष्ट्र	132	अहमदनगर, अजनी (नागपुर), अक्कलकोट रोड़, अकोला, आकुर्डी, अमलनेर, आमगाँव, अमरावती,

		अंधेरी, बडनेरा, बल्हारशाह, बांद्रा टर्मिनस, बारामती, बेलापुर, भंडारा रोड, भोकर, भुसावल, बोरीवली, भायखला, चालीसगाँव, चंदा फोर्ट, चंद्रपुर, चर्नी रोड, छत्रपति संभाजी नगर, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, चिंचपोकली, चिंचवाड, दादर (म.रे.), दादर (प.रे.), दहिसर, दौंड, देहु रोड, देवलाली, धामणगांव, धरणगांव, धाराशिव, धर्माबाद, धुले, दिवा, दुधनी, गंगाखेर, गोधानी, गोंदिया, ग्रांट रोड, हडपसर, हातकणंगले, हज़ूर साहिब नांदेड़, हिमायत नगर, हिंगनघाट, हिंगोली दक्कन, इगतपुरी, जलगाँव, जालना, जेऊर, जोगेश्वरी, कल्याण जं, कामटी, कांदिवली, कंजुर मार्ग, कराड, काटोल, केडगाँव, किनवट, कोपरगाँव, कुर्डुवाडी जं, कुर्ला जं, लासलगाँव, लातूर, लोकमान्य तिलक टर्मिनस, लोनंद जं, लोनावला, लोअर परेल, मलाड, मलकापुर, मनमाड जं, मानवत रोड, मरीन लाइन्स, माटुंगा, मिराज जं, मुदखेड़ जं, मुंबई सेंट्रल, मुंब्रा, मुर्तिजापुर जं, नागरसोल, नागपुर जं, नंदगाँव, नांदुरा, नंदुरबार, नरखेड़ जं, नासिक रोड, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, इतवारी जं, पाचोरा जं, पालघर, पंढरपुर, पनवेल जं, परभणी जं, परेल, परली वैजनाथ, परतूर, फलटाण, प्रभादेवी, पुलगाँव जं, पुणे जं., पूर्णा जं, रावेर, रोटेगांव, साईंनगर शिर्डी, सैंडहर्स्ट रोड, सांगली, सतारा,

		सावदा, सेलू, सेवाग्राम, शहाड, शेगांव, शिवाजी नगर पुणे, श्री छत्रपतिशाहू महाराज टर्मिनस कोल्हापुर, सोलापुर, तलेगांव, ठाकुर्ली, ठाणे, टिटवाला, तुमसर रोड, उमरी, उरुली, वडाला रोड, विद्याविहार, विक्रोली, वडसा, वर्धा, वाशिम, वाठार

महाराष्ट्र राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य अच्छी गति से शुरू किए गए हैं। अभी तक, इस योजना के अंतर्गत महाराष्ट्र राज्य के 15 स्टेशनों (आमगाँव, चांदा फोर्ट, चिंचपोकली, देवलाली, धुले, केडगाँव, लासलगाँव, लोनंद जंक्शन, माटुंगा, मुर्तिजापुर जंक्शन, नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन, परेल, सावदा, शहाड और वडाला रोड) का कार्य पूरा हो चुका है। अन्य स्टेशनों पर भी कार्य अच्छी गति से शुरू किए गए हैं और कुछ स्टेशनों की प्रगति निम्नानुसार है:

- वाठार स्टेशन: नए पोर्टिको के निर्माण-कार्य, स्टेशन भवन में सुधार, वाटर बूथ, नया मुख्य प्रवेश द्वार, पार्किंग क्षेत्र, परिचलन क्षेत्र, प्रवेश लॉबी में सुधार, पार्किंग क्षेत्र की चारदीवारी, प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, प्लेटफ़ॉर्म की सतह, प्रतीक्षा कक्ष में सुधार, साइनेज और स्टेशन पर प्रकाश व्यवस्था के कार्य पूरे हो गए हैं। फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- नंदगांव स्टेशन: प्रवेश और निकास द्वार, प्लेटफॉर्म सतह, प्लेटफॉर्म शेल्टर, स्टेशन भवन में सुधार, बुकिंग कार्यालय, पैदल पार पुल, चारदीवारी, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग क्षेत्र, साइनेज और प्रकाश व्यवस्था के कार्य पूरे हो गए हैं। फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- **नांदुरा स्टेशन: प्लेटफॉर्म सतह, प्लेटफॉर्म शेल्टर, बुकिंग कार्यालय, प्रवेश द्वार, प्रतीक्षालय में सुधार, शौचालय, स्टेशन भवन, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग क्षेत्र, साइनेज, सवारी डिब्बा संकेतक बोर्ड, स्टेशन पर प्रकाश व्यवस्था और चारदीवारी के कार्य पूरे हो गए हैं। फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

- **हडपसर स्टेशन: नए स्टेशन भवन, प्रतीक्षालय, 12 मीटर चौड़ा पैदल पार पुल, अंडरग्राउंड टैंक, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म सतह में सुधार, परिचलन क्षेत्र, स्टेशन पर प्रकाश व्यवस्था, साइनेज, लिफ्ट, एस्केलेटर और लैंडस्केपिंग के कार्य पूरे हो गए हैं। फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

- **बारामती स्टेशन: प्लेटफॉर्म शेल्टर, सेप्टिक टैंक, शौचालय, चारदीवारी, वाटर बूथ, बुकिंग कार्यालय में सुधार, प्लेटफॉर्म सतह. प्रतीक्षालय, पोर्टिको, परिचलन क्षेत्र, साइनेज और स्टेशन पर प्रकाश व्यवस्था के कार्य पूरे हो चुके हैं। फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

भारतीय रेल पर स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सतत् और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्यों की पारस्परिक प्राथमिकता और निधि की उपलब्धता के अध्यधीन, आवश्यकतानुसार कार्य शुरू किए जाते हैं। स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण कार्यों को स्वीकृति देने और निष्पादन के समय निचली कोटि के स्टेशनों की तुलना में उच्चतर कोटि के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है।

इसके अलावा, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत शामिल स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण को सामान्यत: योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किया जाता है। योजना शीर्ष-53 'के अंतर्गत निधियों के आबंटन

का ब्यौरा कार्य-वार या स्टेशन-वार या राज्य-वार नहीं बल्कि क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है। महाराष्ट्र राज्य चार क्षेत्रीय रेलों अर्थात् मध्य रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे के क्षेत्राधिकार के तहत कवर किया जाता है। पिछले तीन वर्षों और चालू वित्त वर्ष के लिए 11,190 करोड़ रुपये आबंटित किए गए हैं जबकि पिछले तीन वर्षों और चालू वित्त वर्ष (अक्टूबर 2025 तक) 9,198 करोड़ रुपये का व्यय उपगत किया गया है।

देश भर में रेल परियोनाओं/निर्माण कार्यों के लिए राज्य सरकारों, संसद सदस्यों, केन्द्रीय मंत्रालयों, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों, रेलवे की अपनी आवश्यकताओं, संगठनों/रेल उपयोगकर्ताओं आदि से रेलवे बोर्ड, क्षेत्रीय रेलवे, मंडल कार्यालय आदि सहित विभिन्न स्तरों पर औपचारिक और अनौपचारिक दोनों तरह के सुझाव/अभ्यावेदन प्राप्त होते हैं। ऐसे प्रस्तावों/अनुरोधों/सुझावों/अभ्यावेदनों का प्राप्त होना सतत् और गतिशील प्रक्रिया है, और इनकी जाँच की जाती है और समय-समय पर व्यवहार्य और उचित पाए जाने पर कार्रवाई की जाती है और इनका केंद्रीकृत सार-संग्रह नहीं रखा जाता है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना, (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेलपथ एवं उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के नजदीक किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी

प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं। अत:, फिलहाल कोई निश्चित समय-सीमा नहीं बताई जा सकती है।

******